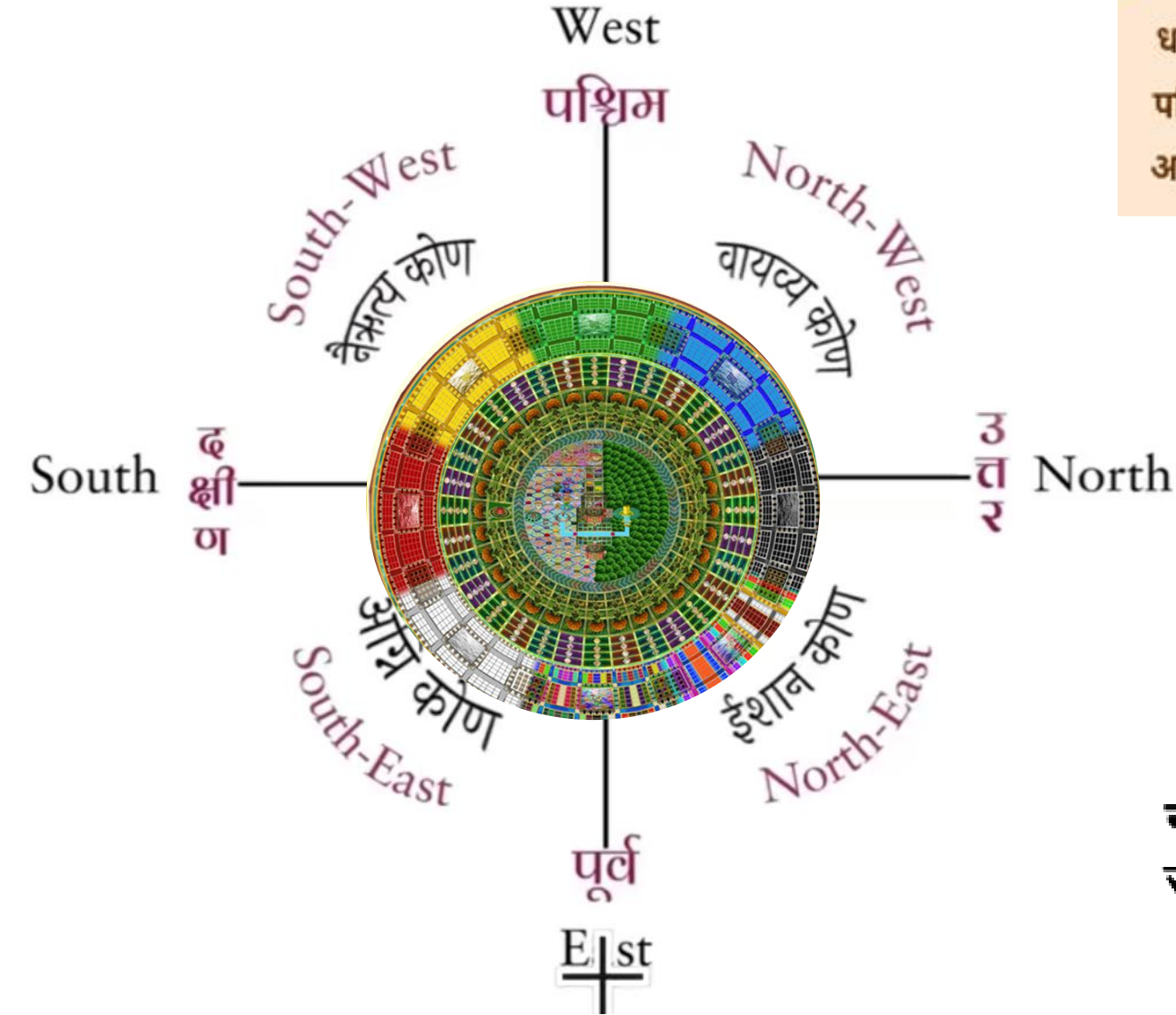




धाम तालाब कुंजवन सोहे, मानिक नेहरें वन की जोहे ।
पश्चिम चौगान बड़ोवन कहिए, पुखराजी जमुना जी लहिए ।
आठों सागर आठ जिमी ये, पच्चीस पक्ष हैं धाम धनी के ॥

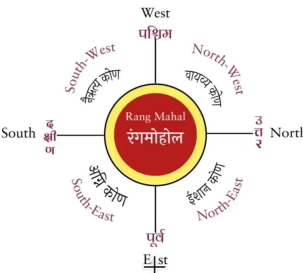
नूर नीर खीर दधि सागर , घृत मधु इक ठौर ।
रस सर्वरस सागर , बिन मोमिन ना पावे और ॥

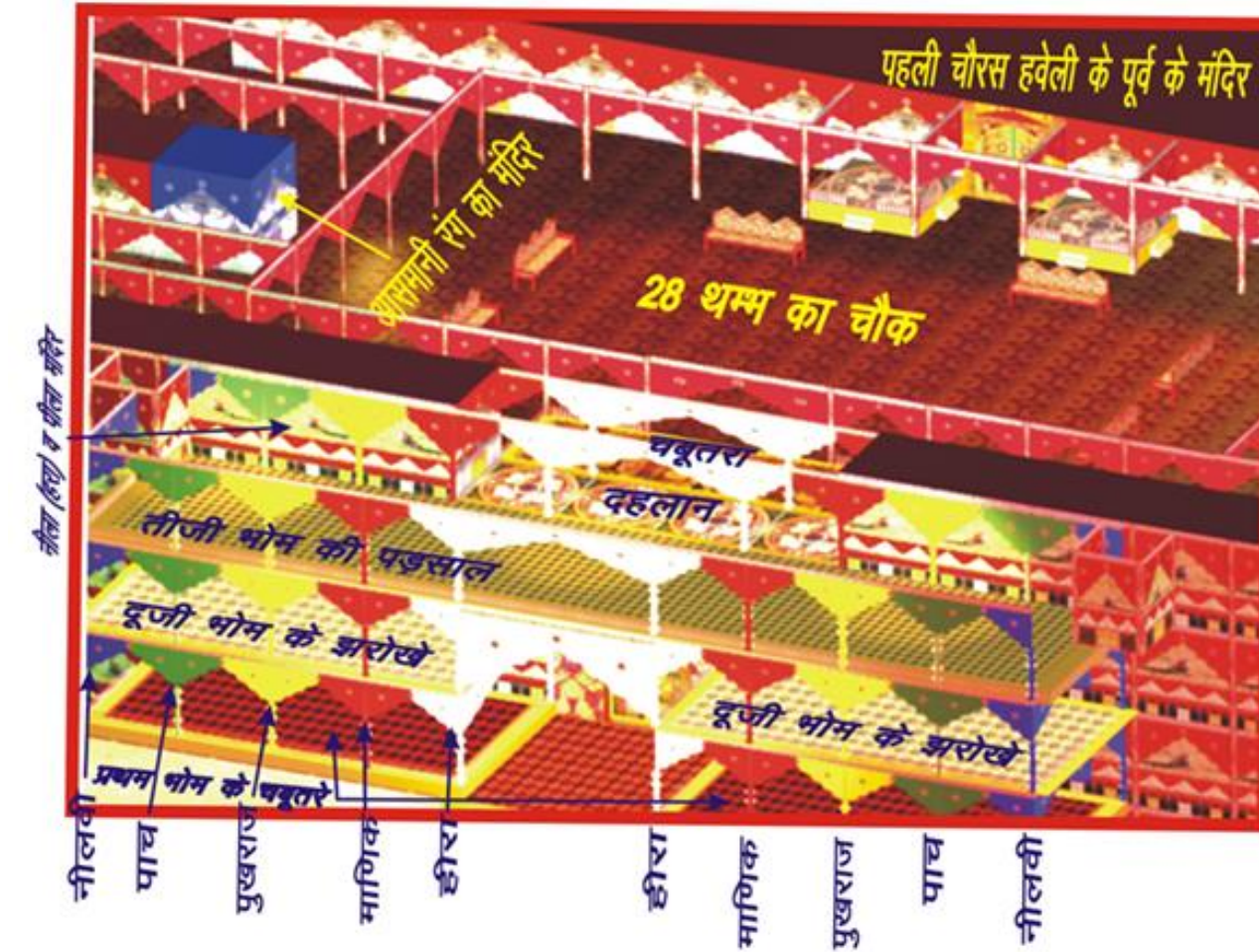




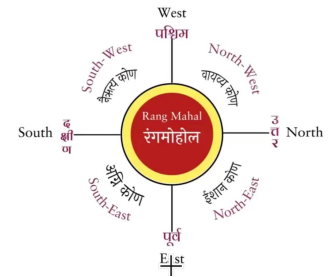
रंगमहल तीसरी भोम

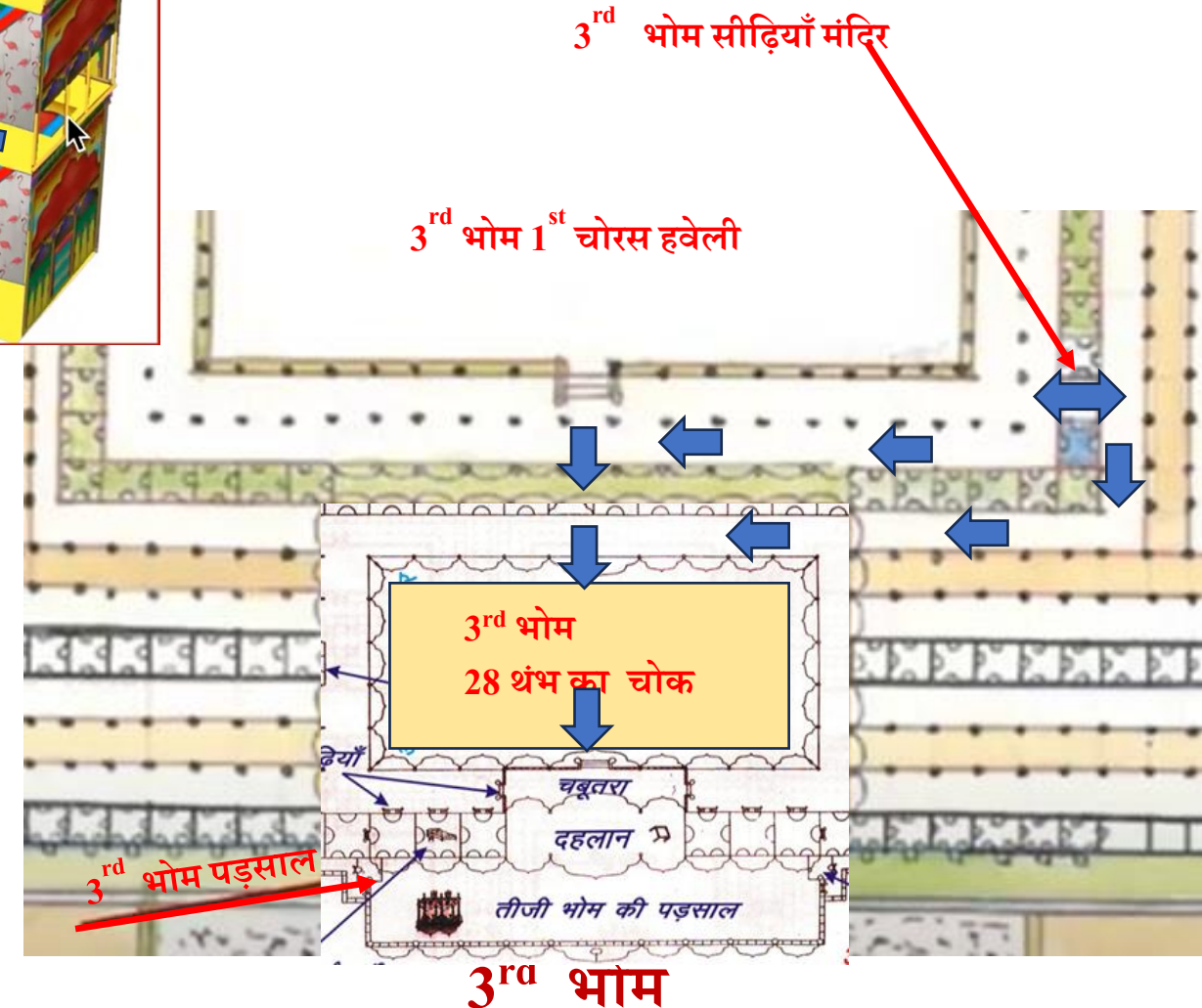
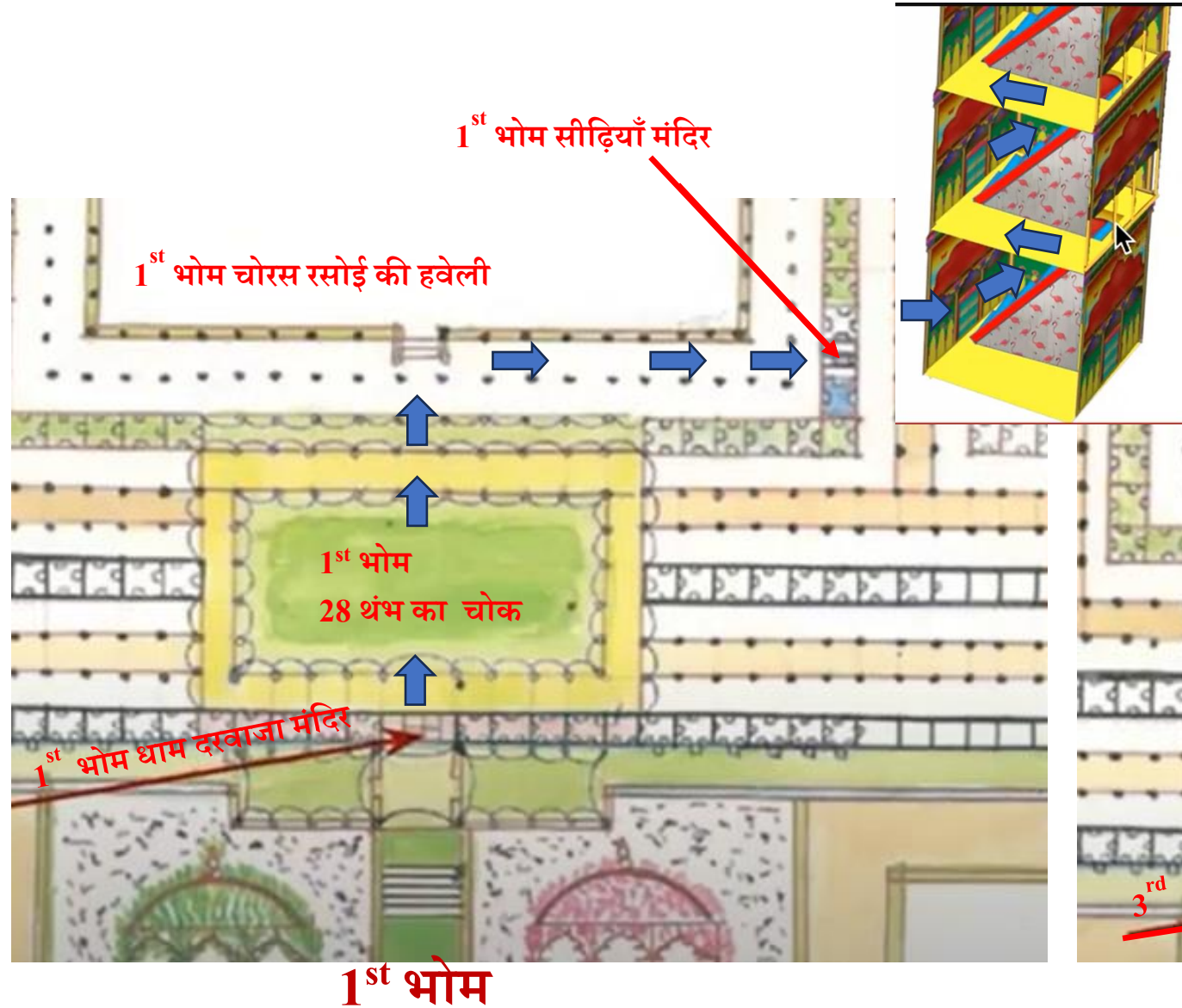
- चबूतरा
- देहलान
- पड़साल - झरोखा
- नीला पीला मंदिर
- आसमानी मंदिर

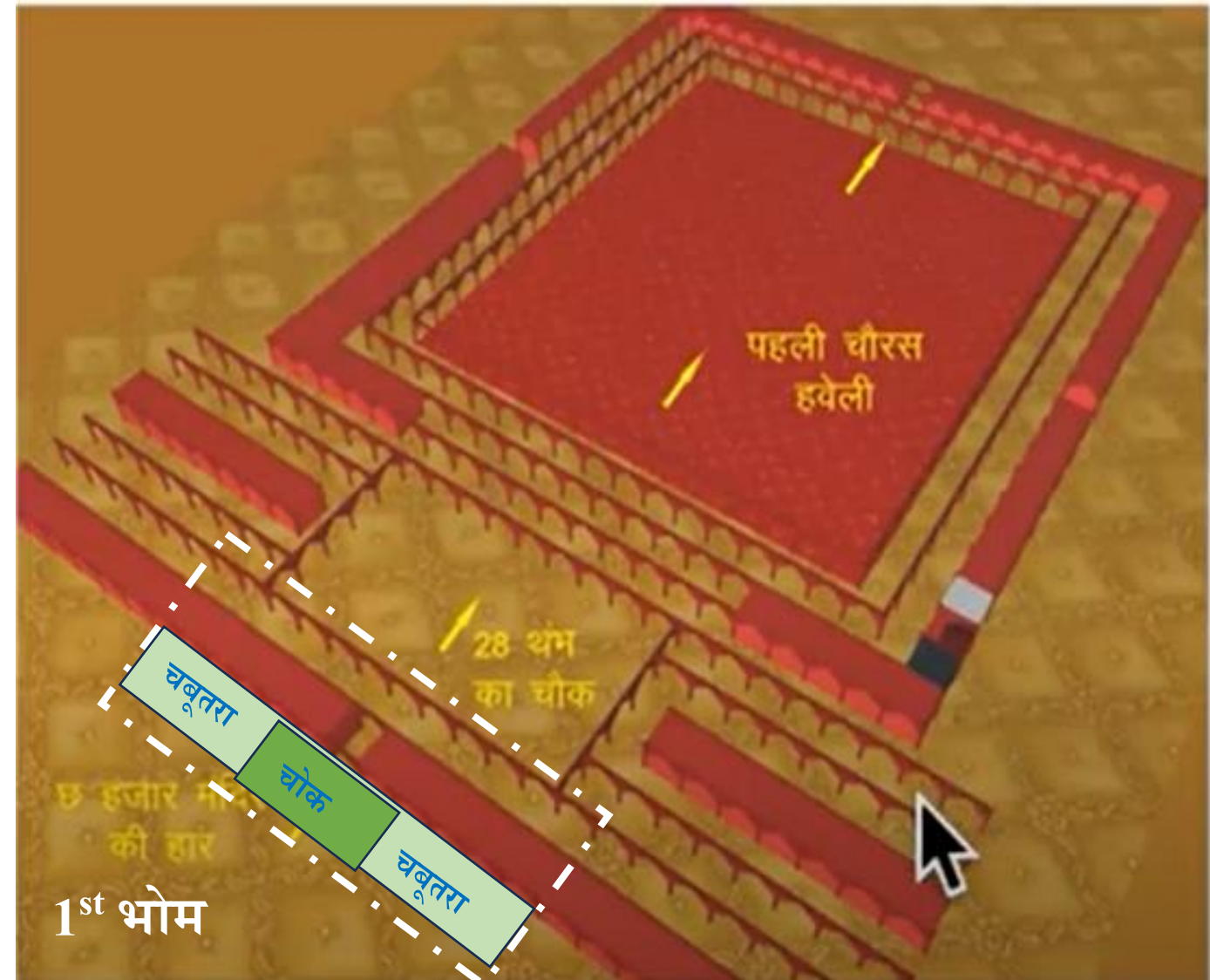
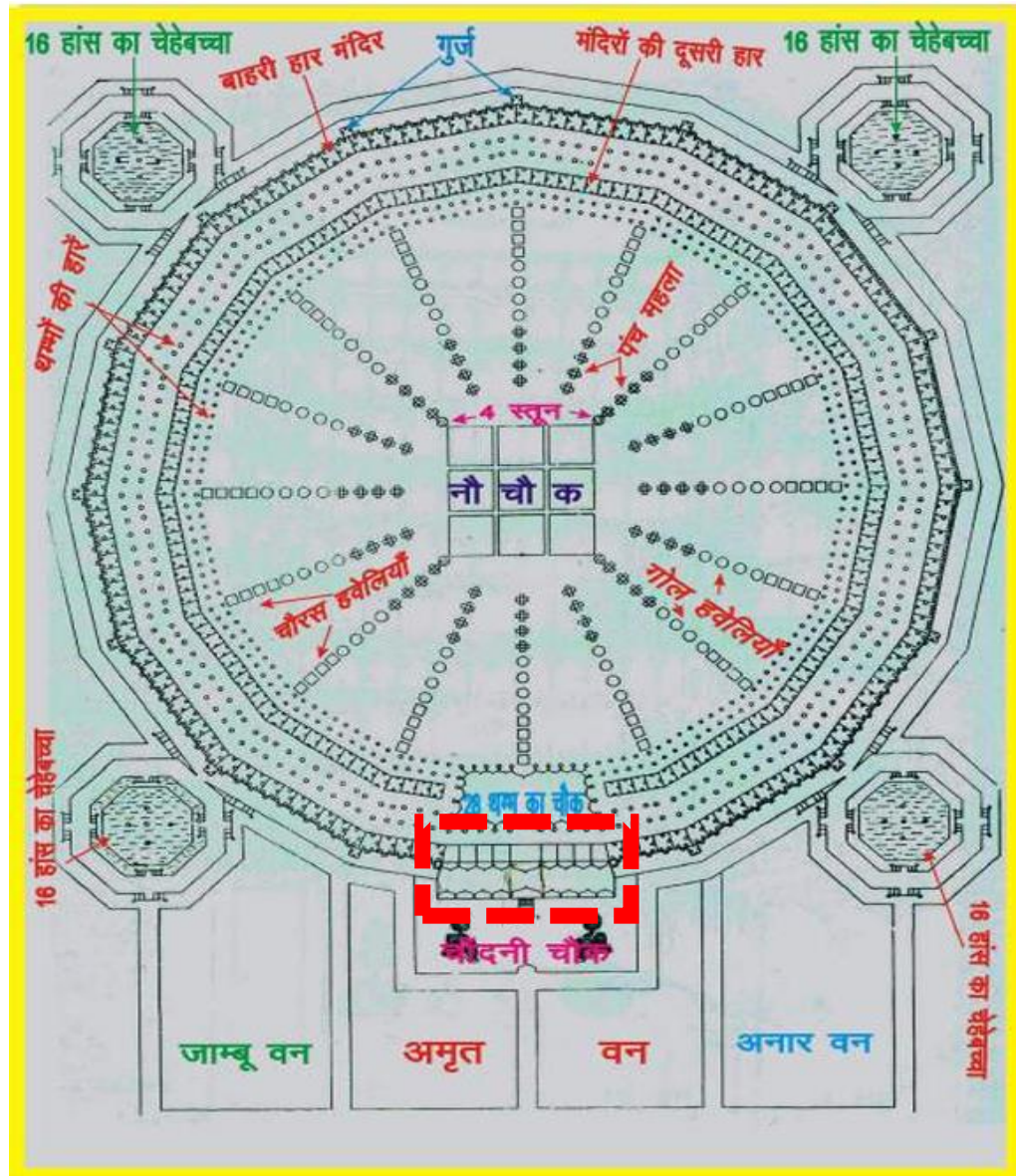


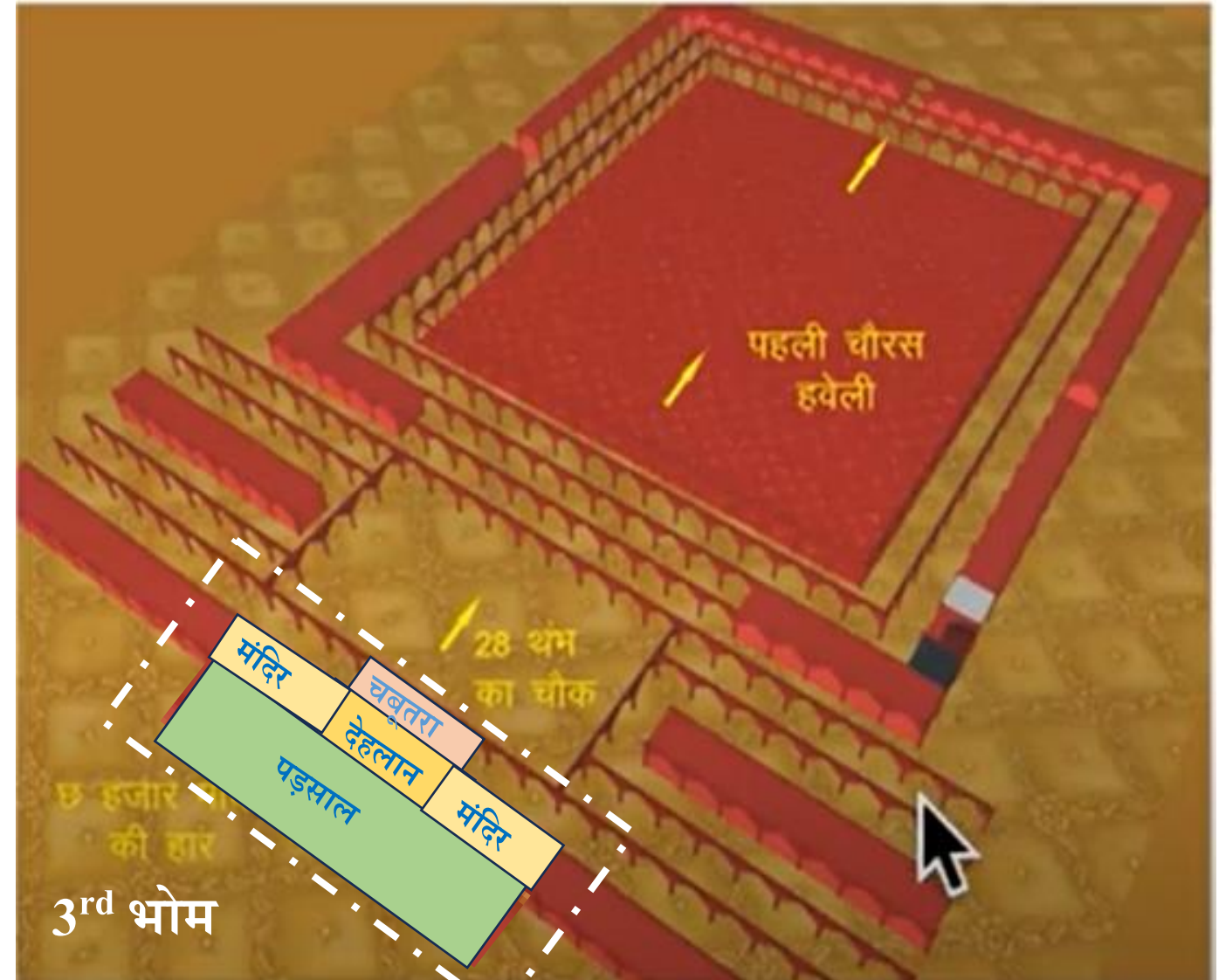
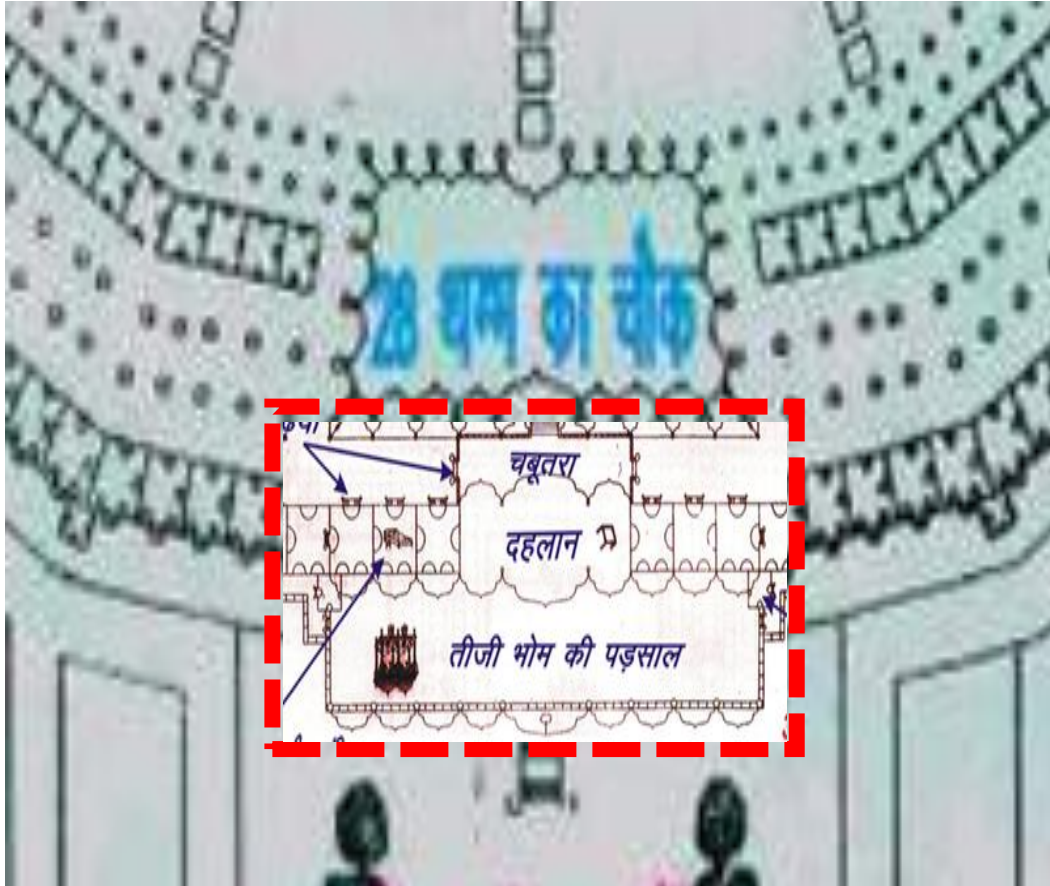


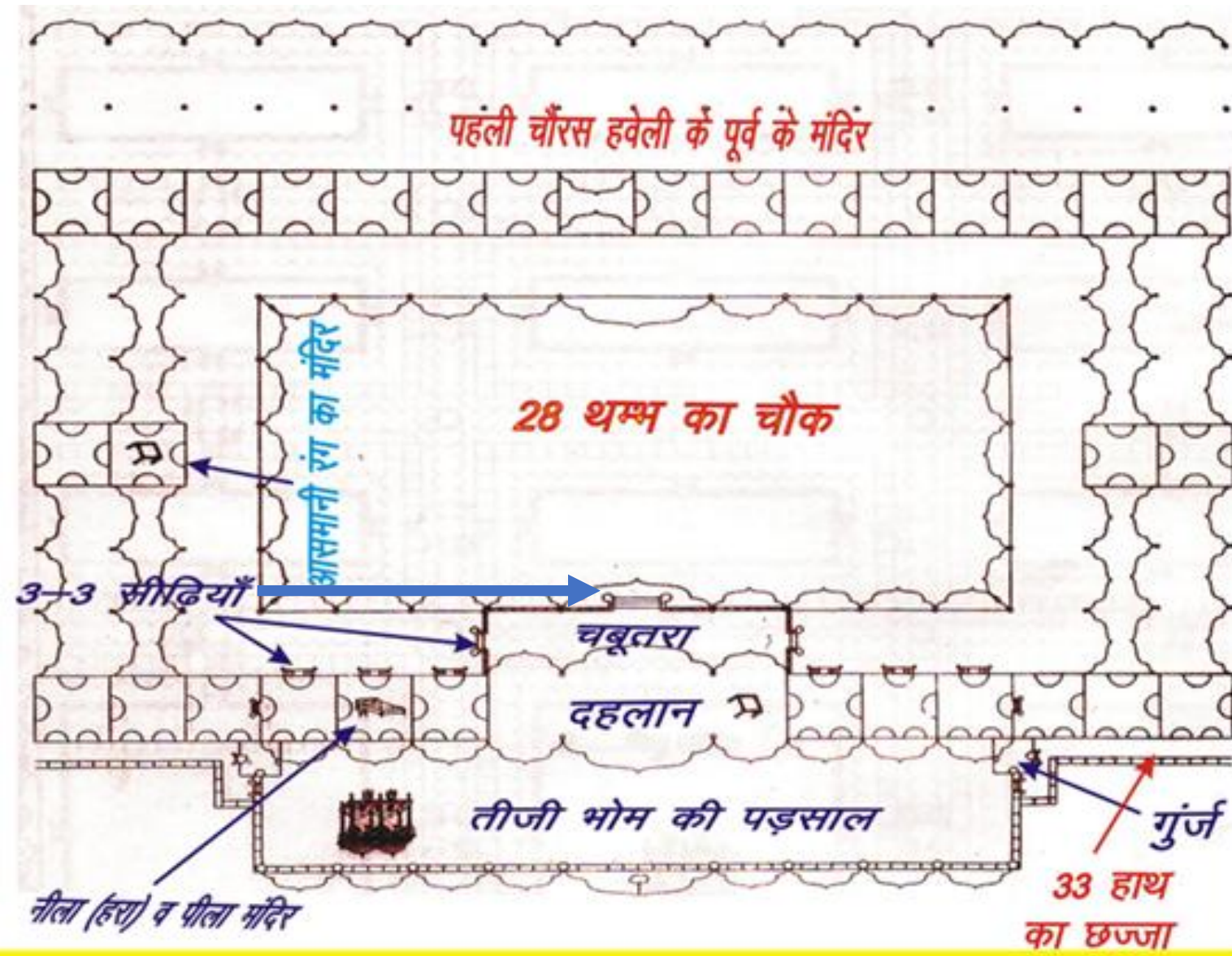
रा	
चबूतरा	4M W x 1M L
देहलान	4M W x 1M L
देहलान मंदिर	3 मंदिर दायें 3 मंदिर बाये
पड़साल	10M W x 2M L
नीला पीला मंदिर	देहलान दक्षिण, 2 nd मंदिर
आसमानी मंदिर	28 थंभ का चोक दक्षिण , 1 st मंदिर









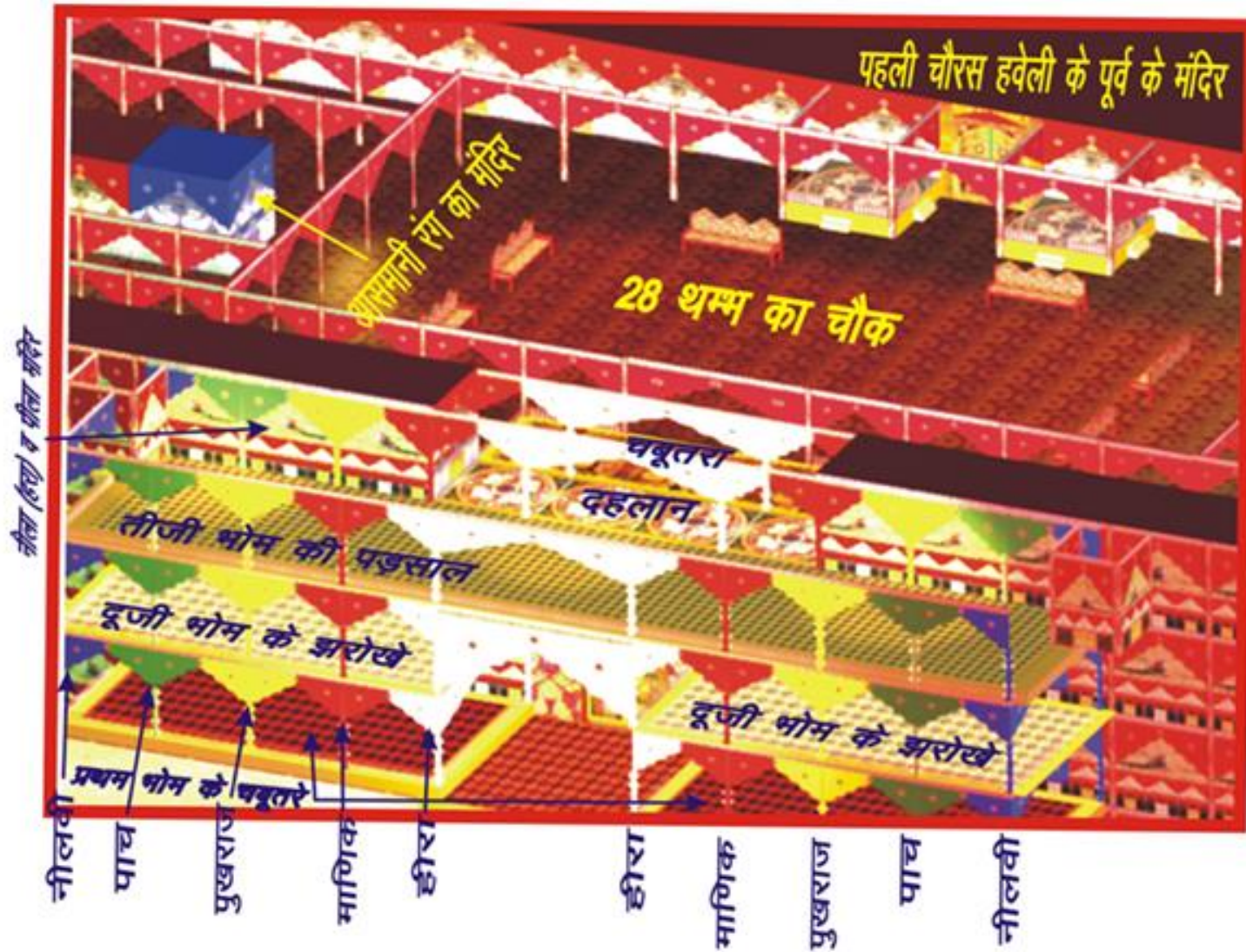


देहलान दस मन्दिर का, झरोखे दस सामिल ।
 माहे चौक दस मन्दिर का, हुये तीनों मिल कामिल ।।29।।
 तीसरा हिस्सा एक हांस का , ये जो दस झरोखे ।
 द्वार थम्भ आगू इन, ना दीवाल बीच इनके ।।30।।
 परिक्रमा प्रकरण 31









पीछे बैठि करें सिनगार, सखियां करावें मनुहार ॥२॥
श्री श्यामा जी मन्दिर और, रंग आसमानी है वा ठौर।
चार चार सखियां सिनगार करावें,

दाहिनी तरफ दूजा जो मन्दिर, आए बैठें ताके अन्दर ॥२॥
नीला ने पीला रंग, ताकि उठत कै तरंग ॥२३॥

परिक्रमा प्रकरण 3





पड़साल



देहलान



चबूतरा









अर्श मिलावा ले चली , अपने संग सुभान ।
किया चाह्या सब दिल का , आगुं आए लिए मेहेरबान ।। सागर 6/129



Next Time

श्री धाम की आठ प्रहर की लीला





OR

